SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

मैत्रेयी पुष्पा के रचना संसार (उपन्यासों) में स्त्री विमर्श

अमिता शर्मा (शोधार्थी) , हिन्दी विभाग, देश भगत विश्वविद्यालय, मंडी, गोबिंदगढ़
डॉ अरविंदर कौर (शोध निर्देशक),हिन्दी विभाग, देश भगत विश्वविद्यालय, मंडी, गोबिंदगढ़

सारांश:

समकालीन हिंदी साहित्य में अग्रणी आवाज़ मैत्रेयी पुष्पा को ग्रामीण उत्तर भारतीय जीवन के उनके व्यावहारिक चित्रण के लिए जाना जाता है। उनके उपन्यास अपने सम्मोहक नारीवादी विमर्श के लिए जाने जाते हैं, जो लिंग, कामुकता और सामाजिक मानदंडों की जटिल गतिशीलता को संबोधित करते हैं। यह शोधपत्र पुष्पा के साहित्यिक कार्यों में प्रचलित नारीवादी विषयों पर गहराई से चर्चा करता है, इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि कैसे उनकी कहानियाँ पितृसत्तात्मक संरचनाओं को चुनौती देती हैं और महिलाओं की स्वायत्तता और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देती हैं। प्रमुख उपन्यासों के विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से, यह अध्ययन पुष्पा द्वारा सशक्त महिला नायकों के चित्रण, पारंपरिक लिंग भूमिकाओं की आलोचना और जाति और लिंग के अंतर्संबंध की खोज की जाँच करता है। इसके अलावा, यह महिला कामुकता और इच्छा के उनके सूक्ष्म चित्रण पर विचार करता है, जो विषय अक्सर मुख्यधारा के विमर्श में हाशिए पर होते हैं। शोधपत्र नारीवादी साहित्य में मैत्रेयी पुष्पा के योगदान और ग्रामीण महिलाओं की आवाज़ एवं अनुभवों को सामने लाकर भारतीय साहित्य के कथात्मक दायरे को व्यापक बनाने में उनकी भूमिका के महत्व को रेखांकित करना चाहता है।

iajesm
Quality Of Work... Never Ended...